35 23.02.26

Subject- Psychology
Class- UG, Sem- I
Unit- 04, Personality
Topic- Nature of Personality
Date -

Name- Dr. Shyam Sundar Sharma.

Ques. व्यक्तित्व क्या है? इसके स्वरूप का वर्णन करें।

Ans :- व्यक्तित्व शब्द अंग्रेजी के Personality का हिन्दी रूपांतरण है। Personality लैटिन के परसोना (Persona) से बना है, जिसका अर्थ है- 'मुखौटा या नकाब'। यूनानी नाटककार अभिनय के समय मुखौटा का प्रयोग कर पात्र के अनुसार रंग-मंच पर अभिनय करते थे।
व्यक्तित्व, व्यक्ति का पर्यावरण से अनुकूल करने का ढंग है। व्यक्ति का समस्त व्यवहार पर्यावरण से अनुकूल करने के लिए होता है।
ऑलपोर्ट के अनुसार "व्यक्तित्व व्यक्ति के भीतर उन मनो-शारीरिक गुणों का गत्यात्मक संगठन है जो वातावरण से अपूर्व समायोजन को निर्धारित करता है।"

व्यक्तित्व की प्रकृति (स्वरूप) :- व्यक्तित्व का स्वरूप निम्न विशेषताओं के आधार पर समझा जा सकता है-

(1) आत्मचेतना (Self-Consciousness) :- व्यक्ति की मुख्य विशेषता है, आत्मचेतना। अपनी इसी विशेषता के कारण उसे सर्वोच्च प्राणी का स्थान प्राप्त हुआ तथा उसमें व्यक्तित्व की उपस्थिति को स्वीकार किया

गया। बालकों एवं जन्तुओं में आत्मचेतना का गुण नहीं पाया जाता है।

(२) निरंतर निर्माण की क्रिया :-

व्यक्तित्व हमेशा निर्माण की प्रक्रिया में संलग्न रहता है, जैसे-जैसे व्यक्ति के विचारों, अनुभवों तथा कार्यों में परिवर्तन होता है, वैसे-वैसे व्यक्तित्व के स्वरूप में भी परिवर्तन होता है।

(३) शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य :-

मनुष्य एक मनो शारीरिक प्राणी है। इसके अच्छे व्यक्तित्व के लिए अच्छे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य का होना जरूरी है।

(४) दृढ़ इच्छाशक्ति :-

यह एक ऐसा शक्ति है जो व्यक्ति को उसके मार्ग में आने वाली कठिनाइयों से संघर्ष करके उसके अपने व्यक्तित्व को आकर्षक बनाने वाली क्षमता प्रदान करती है।